भाग्यं भवति कर्मणा

मासिक राशिफलमाह–अक्टूबर2012

प्रातः कालीन ग्रह स्थिति 01.10.2012

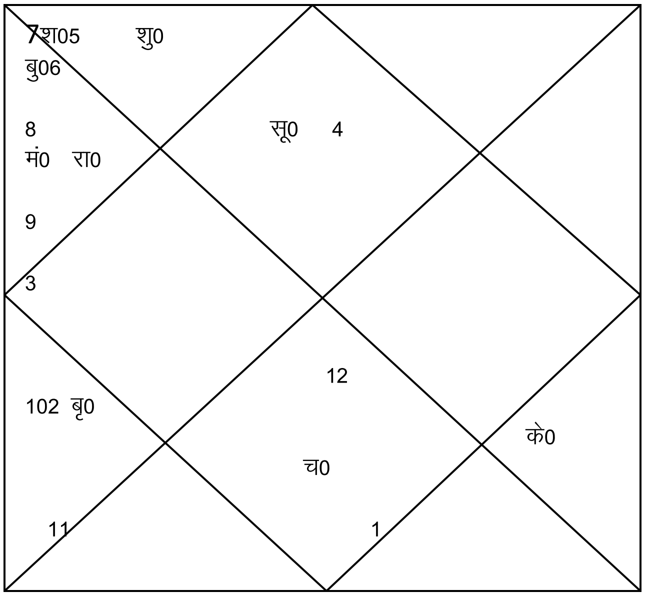

मेष–चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

जीवन संगिनी के साथ मधुरतम पलों को बेहतर सदुपयोग होगा। संतान पक्ष की ओर से सुखद समाचार प्राप्त हो सकता है। नवीन व्यवसाय की शुरुआत बेहतर प्रतीत होगी। किसी धार्मिक और मांगलिक कार्य मे आपकी भागीदारी सुनिश्चित होगी। आय और व्यय की स्थितियों पर आपका नियंत्रण बरकरार रहेगा। तारीख 1, 2, 3, 6, 7, 8, 13, 14, 15 उत्तम है।

वृष– ई, ऊ, ऐ, ओ, वा, वी, वू, वे, वो

ग्रहस्थ आश्रम क्षेत्र मे तीखी, मीठी नोंक–झोंक का सामना करना पड़ सकता है। सामाजिक संरचना निर्माण मे आपकी भागीदारी सामाजिक सुख्याति के सुअवसर उपलब्ध करायेगी। कोर्ट कचेहरी सम्बन्धी कार्यों मे समाधान भी निकलते प्रतीत हो सकते हैं। अर्थिक और लाभकारी कार्यों योजनाओं का विस्तार होगा। माह का दूसरा सप्ताह समाधान के

दृष्टिकोण से बेहतर प्रतीत होगा। पठन–पाठन कार्यों मे विघ्न बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। तारीख 3, 4, 5, 9, 10, 11, 16, 17 प्रगति कारक सिद्ध होंगी।

मिथुन– का, की, कू, के, को, हा, ध, ण, छ

रोजी–रोटी की दिशा मे किये गये प्रयास बेहतर परिणाम के सूचक प्रतीत होंगे। अनायास खर्च की अधिकता मानसिक परेशानी का कारण बन सकती है। विपक्षियों पर आप के बढ़ते प्रभाव से विरोधियों की परेशानियाँ बढ़ती प्रतीत होगी। स्त्रीपक्ष से अधिकाधिक सहयोग प्राप्त करने मे सफल रहेंगे। उच्च शिक्षा सम्बन्धी क्रिया कलापों मे आंशिक लाभ का वातावरण बनेगा। अल्प लाभदायक व्यवसायिक यात्रा भी हो सकती है। तारीख 1, 2, 3, 6, 7, 8, 17, 18, 19 शुभ सूचक सिद्व होंगी।

कर्क–ही, हू, हो, डा, डी, डू, डे, डो

वाणी मे सभ्यता और सौम्यता की समाविष्टि से पारिवारिक सदस्य बेहद प्रभावित नजर आयेंगे। ईश्वरीय अनुकम्पा के चलते कई बिगड़ते कार्यों को नवीन दिशा मिल सकती है। जोखिमपूर्ण निर्णय लेने की प्रवृति मन से बाहर आ सकती है। सामाजिक क्षेत्र मे किये गये आप द्वारा कामकाज सर्वजन मे प्रसिद्धी के कारण बनेंगे। अग्रज वर्ग से आशानुकूल सहयोग प्राप्त करने मे सफल होंगे। तारीख 1, 2, 3, 4, 5, 6, 8, 9, 10 उन्नतिकारक सिद्व होंगी।

सिंह– मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे

खान–पान व्यवस्था अति उत्तम प्रतीत होगी। आप द्वारा पेय पदार्थों का अधिक सेवन भी बढ़ सकता है। कठोरतम भाषा शैली के प्रयोग के कारण परिजनों से विरोध की स्थितियों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ के बढ़ते अवसरों से मन प्रसन्न रहेगा। अनचाही यात्राओं से शारीरिक एवं मानसिक तनावों का वातावरण निर्धारित करेंगे। ईश्वर आराधना मे आपकी संलग्नता मे वृद्धि होगी। तारीख 3, 4, 5, 6, 7, 8, 11, 12, 13 श्रेयकर सिद्व हो सकती हैं।

कन्या– टो, पा, पी, पू, पे, पो, ष, ण ठ

विलासिता पूर्ण सामग्री की खरीद फरोख्त और रख–रखाव पर व्यय भार के अतिरिक्त श्रोतों का निर्धारण होगा। माह के दूसरे सप्ताह मे रचनात्मक कार्यों की ओर मानसिकता अग्रसर हो सकती है। तर्क–वितर्क, वाद–विवाद की स्थितियों मे अपनी भाषा पर नियंत्रण रखकर कार्य करना आपके लिये हितकर होगा। राजनैतिक व्यक्तियों के साथ आपका

मेल–मिलाप जन सम्पर्क असाधारण प्रतीत होगा। ग्रहस्थ जीवन के अनुभव बेहद सुखद पूर्ण होंगे। व्यापारिक कार्यक्रमों मे अल्प लाभ की स्थिति आयेगी। तारीख 6, 7, 8, 9, 10, 13, 14, 15 शुभ कारक प्रतीत होंगी।

तुला– रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, ते

आलस्य त्यागकर कर्म क्षेत्र मे डटे रहने पर लाभ प्राप्त होगा। स्वास्थ्य की शिथिलता मानसिक तनाव के मार्ग प्रसस्त कर सकती है। अनायास कठोरतम भाषा शैली के प्रयोग के चलते परिजनों से तालमेल बिगड़ सकता है। किसी गम्भीर विषय पर कार्य करने वाली योजनायें सफलता की ओर अग्रसर होंगी। धार्मिक क्रिया–कलापों से आपका जुड़वा बढ़ता नजर आयेगा। अनियन्त्रित खर्चों की अधिकता प्रतीत होगी। जीविकोपार्जन सम्बन्धी क्रिया कलाप लाभ मार्ग की ओर अग्रसर होंगे। तारीख 1, 2, 3, 8, 9, 10, 11, 12, 13 शुभ सूचक सिद्ध होंगी।

वृश्चिक – तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू

घरेलू कामकाज मे स्थितियां परिवर्तित होती प्रतीत होंगी जीविका सम्बन्धित कामकाज सरलता के साथ सम्पन्न होंगे। ठंडे बस्ते मे पड़ी व्यवसायिक कार्य योजनायें विस्तार रुप ले सकती हैं। न्याय और दण्ड के अधिकार को यदि आपको परिभाषित करना हो तो दण्डात्मक प्रणाली के ही पक्षधर प्रतीत होंगे। वाद–विवाद की स्थितियों का भी सामना करना पड़ सकता है। सामान्यतः रक्तचाप से शारीरिक कष्ट की भी अनुभूति होगी। तारीख 1, 2, 3, 4, 5, 6, 11, 12, 13 उत्तम है।

धनु– ये, यो, भी, भी, भू, भे, ध, फ ढ़

राजद्वारीय मामलों मे आपेक्षित सफलता प्राप्त होगी। प्रबल धार्मिक आस्था का वातावरण बना रहेगा। रोजी–रोटी की दिशा मे किये गये प्रयास सार्थक सिद्ध होंगे। भूमि क्रय विक्रय सम्बन्धी मामलों मे प्रगति सूत्र स्थापित होंगे। अनायास सिलसिलेवार यात्रा प्रकरण एकत्रित होते प्रतीत हो सकते हैं। आय और व्यय मे कठिनाइयों के साथ सन्तुलन स्थापित रहेगा। आजीविका संसाधन बढ़ाने के प्रयास सार्थक परिणाम के सूचक होंगे। पेट सम्बन्धी रोगों से सावधानी बरतना हितकर होगा। तारीख 4, 5, 6, 7, 8, 13, 14, 15 उत्तम सूचक सिद्ध होगी।

मकर– भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी

राजकीय कामकाजों मे आपकी संलग्नता प्रगति पथ की ओर अग्रसर करेगी। युवा वर्ग और महिला मित्र मन्डली का आशातीत सहयोग प्राप्त होगा। राजनैतिक क्रिया कलापों मे संलग्नता सामाजिक ख्याति का वातावरण बनायेगी। मनोरंजन कार्यक्रमों मे आपकी भागीदारी सुनिश्चित रहेगी। रोजी–रोटी की दिशा मे किये गये प्रयास सार्थक सिद्ध हो सकते हैं। उच्च डिग्री सम्बन्धी कार्यों मे लाभान्वित होंगे। यात्राओं से धीरे–धीरे लाभी की उम्मीद करें। तारीख 7, 8, 9, 10, 11, 15, 16, 17 उत्तम है।

कुम्भ– गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, द

अधिक बातचीत की प्रवृतियां स्वजनों प्रियजनों से विरोध की स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। जीवन साथी से मिलता भरपूर सहयोग राहतकारी प्रतीत होगा। क्रय–विक्रय सम्बन्धी क्रिया कलाप सफलता के मार्ग की ओर अग्रसर रहेगा। वृद्धजनों के सहयोग से राजकीय दिशा मे परिवर्तनशीलता संभव है। धनागम सम्बन्धी कार्य योजनाओं मे सफलता के पूर्ण आसार हैं। यात्रा के दौरान विशेष सतर्कता बरतना हितकर रहेगा। तारीख 1, 2, 3, 11, 13, 17, 18, 19 शुभ है।

मीन–दी, दू, दे, दो, थ, झ, अ, चा, ची

मौसम के बिगड़ते मिजाज के कारण शीतविकार, ज्वर आदि का सामना करना पड़ सकता है। सामान्य जन के साथ बेहतर तालमेल स्थापित करने के प्रयासों को बल मिलेगा। अनायास व्यवसायिक क्रिया कलापों मे परिवर्तन की स्थिति आयेगी। आस्तिकता नास्तिकता पथ की ओर परिवर्तित होगी। राजनैतिक तथा कूटनैतिक दांवपेंचों मे आप कारगर कमद उठा सकते हैं। ग्रहस्थ जीवन के कामकाज सामान्य प्रतीत होंगे। तारीख 4, 5, 6, 11, 12, 13, 14, 15 प्रगति कारक प्रतीत होगी।

माह के व्रत, पर्व और त्यौहार

1. अशून्य शयन व्रतम्, द्वितीया श्राद्ध, पितृपक्षारम्भः, सांयकाल 05 बजकर 14 मिनट पर पंचक समाप्ति।
2. महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती – 02 अक्टूबर, मंगलवार।
3. संकष्ठी श्री गणेश चतुर्थी व्रतम् – 03 अक्टूबर, बुधवार।

4. भानु सप्तमी, सप्तमी श्राद्ध – 07 अक्टूबर, रविवार।
5. अष्टका श्राद्ध गया मध्याष्टमी – 08 अक्टूबर, सोमवार।
6. मातृनवमी, नवमी श्राद्ध, अन्वष्टका श्राद्ध – 09 अक्टूबर, मंगलवार।
7. इन्दिरा प्रदोष त्रयोदशी व्रतम्, मास शिवरात्रि चतुर्दशी व्रतम्, 11 अक्टूबर, गुरुवार।
8. शनि प्रदोष त्रयोदशी व्रतम्, मासशिवरात्रि चतुर्दशी व्रतम् – 13 अक्टूबर, शनिवार।
9. स्नान दन व श्राद्ध की अमावस्या, सर्वपैत्री अमावस्या – 15 अक्टूबर, सोमवार।
10. शारदीय नवरात्रारम्भः – 16 अक्टूबर, मंगलवार।
11. श्री वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रतम् – 19 अक्टूबर, शुक्रवार।
12. न्वरात्र व्रत पारण, विजयादशमी, शमी पूजा दशमी – 24 अक्टूबर, बुधवार।
13. पपांकुशा एकादशी व्रतम्, सर्वेषाम, भरत मिलाप (नारी इमली काशी) – 25 अक्टूबर, गुरुवार।
14. पदमनाभ द्वादशी, बकरीद – 26 अक्टूबर, शुक्रवार।
15. शनि प्रदोष त्रयोदशी व्रतम् – 27 अक्टूबर, शनिवार।
16. स्नान दान व्रत की पूर्णिमा, शरद पूर्णिमा, कोजागरी व्रत पूर्णिमा – 29 अक्टूबर, सोमवार।
17. अशून्य शयन द्वितीया व्रतम्, सर्वार्थ सिद्ध योग समस्त दिन – 31 अक्टूबर, बुधवार।

पं0 आनन्द अवस्थी : पटेल नगर कालोनी बछरावां,
रायबरेली डी–79, साउथ सिटी, लखनऊ, लखनऊ एम0बी0 नं0– 9450460208
Website-www.aarshjyotish.in, ----E-mail : panditanandawasthi@aarshjyotish.in

पंडित आनंद अवस्थी